This question paper contains 8+2 printed pages]

Your Roll No......

5842

B.A. (Prog.)/I **E**

SANSKRIT DISCIPLINE — Paper I

(Poetry, Prose and History of Sanskrit Literature)

(Admissions of 2004/2006 and onwards in respect of students of Regular Colleges/NCWEB)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— (*i*) Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

(*ii*) The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the Regular Colleges (Cat. 'A'). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of NCWEB at the time of posting of awards for compilation of result.

P.T.O.

टिप्पणी : (*i*) अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

(*ii*) प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. (*a*) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5

Explain with reference to the context any *one* of the following verses :

(I) मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम्।

प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः।

(2) ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।

गुणा गुणानुबन्धित्वात्तस्य सप्रसवा इव॥

(3) लोकान्तर सुखं पुण्यं तपोदानसमुद्भवम्।

सन्तति शुद्धवंश्या हि परत्रेह च शर्मणे॥

(*b*) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 4

Explain with reference to the context :

(1) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।

ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्माऽपि तं नरं न रञ्जयति।

अथवा

(*Or*)

(2) यदचेतनोऽपि पादैः स्पृष्टः प्रज्वलति सवितुरिनकान्तः।

तत्तेजस्वी पुरुषः परकृतनिकृतिं कथं सहते॥

2. 'उपमा कालिदासस्य···' – इस कथन की समीक्षा कीजिए। 5

'पमा कालिदासस्य···'.

अथवा

(Or)

राजा दिलीप का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Portray the character of King Dilip.

3. किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए :

Translate any *two* of the following : 3+3

(1) येषां न विद्या न तपो न दानं
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुविभारभूता
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

(2) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः
प्रारभ्य विघ्नविहिता विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमजनाः न परित्यजन्ति।

(3) जातिर्यातु रसातलं गुणगणैस्तत्राप्यधो गम्यतां

शीलं शैलतटात्पतत्वभिजनः सन्दह्यतां वह्निना।

शौर्ये वैरिणि वज्रमाशु निपतत्वर्थेऽस्तु नः केवलं

येनैकेन विना गुणास्तृणलवप्रायाः समस्ता इमे॥

(4) आज्ञा कीर्तिः पालनं ब्राह्मणानां दानं भोगो मित्रसंरक्षणं च।

येषामेते षड्गुणा न प्रवृत्ताः कोऽर्थस्तेषां पार्थिवोपाश्रयेण।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए : 4

Translate with reference to the context any *two* of the following verses :

(1) अपूजितोऽतिथिर्यस्य गृहाद्याति विनिःश्वसन्।

गच्छन्ति विमुखास्तस्य पितृभिः सह देवताः॥

(2) योऽमित्रं कुरुते मित्रं वीर्याभ्यधिकमात्मनः।

स करोति न सन्देहः स्वयं हि विषभक्षणम्।

(3) न किं दद्यान्न किं कुर्यात्स्त्रीभिरभ्यर्थितो नरः।

अनश्वा यत्र ह्रेषन्ते शिरः पर्वणि मुण्डितम्।

(4) माता यस्य गृहे नास्ति भार्या च प्रियवादिनी।

अरण्यं तेन गन्तव्यम् यथाऽरण्यं तथा गृहम्॥

5. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : 3

Translate the following :

परं वयं वनचराः युष्मदीयं च जलान्ते गृहम्। तत्कथं शक्यते तत्र गन्तुम्। तस्मात्तामपि मे भ्रातृपत्नीमत्रानय येन प्रणम्य तस्या आशीर्वादं गृह्णामि। स आह – 'भो मित्र! अस्ति समुद्रान्तरे सुरम्ये पुलिनप्रदेशेऽस्मद्गृहम्। तन्मम पृष्ठमारूढः सुखेनाकृतभयो गच्छ'। सोऽपि तच्छ्रुत्वा सानन्दमाह – 'भद्र! यद्येवं तत्किं विलम्ब्यते। त्वर्यताम्। एषोऽहं तव पृष्ठमारूढः'।

अथवा

(*Or*)

कस्मिंश्चित्कूपे गङ्गदत्तो नाम मण्डूकराज: प्रतिवसति स्म। स कदाचिद्दायादैरुद्वेजितोऽरघट्टघटीमारुह्य निष्क्रान्त:। अथ तेन चिन्तितम् — 'यत्कथं तेषां दायादानां मया प्रत्युपकार: कर्त्तव्य:। एवं चिन्तयन्विले प्रविशन्तं कृष्णसर्पमपश्यत्। तं दृष्ट्वा भूयोऽप्यचिन्तयत् — 'यदेनं तत्र कूपे नीत्वा सकलदायादानामुच्छेदं करोमि।

6. निम्नलिखित कथाओं में से किसी **एक** का सन्देश सहित सार लिखिए : 5

Write the summary of any *one* of the following stories with its message :

(1) वानरमकर कथा

(2) सिंहलम्बकर्णयो: कथा

(3) घण्टोष्ट्र कथा

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लघु टिप्पणी लिखिये : 4

Write short notes on any *two* of the following :

युधिष्ठिरकुम्भकार, श्राद्धकर्म, अरघट्टघटिका, षड्विधप्रीतलक्षण।

8. प्रश्न 3 एवं 4 के रेखाङ्कित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** का सन्धि-विच्छेद कीजिए : 5

Disjoin any *five* Sandhis underlined in question no. 3 and 4.

9. निम्नलिखित रेखाङ्कित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** में विभक्ति के कारण बताइये : 5

Account for the case endings in any *five* of the following underlined words :

(1) नमः तेजसे।

(2) परिवर्तिनि संसारे को मृतः न वा जायते।

(3) बुभुक्षितः किं न करोति पापं।

(4) सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः।

(5) भ्रान्तं वनचरैः सह।

(6) विद्या राजसु पूज्यते।

(7) तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य।

10. संस्कृत के खण्ड काव्यों के विषय में आप क्या जानते हैं ? 10

What do you know about the Lyrical Poetry in Sanskrit ?

अथवा

(Or)

गद्यकाव्यों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए संस्कृत के किन्हीं दो गद्यकाव्यों पर टिप्पणी लिखिये :

Giving the characteristics of Prose-Kavyas, write in short about any *two* prose Kavyas in Sanskrit.

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिये : 15

Write notes on any *three* of the following :

बाण, दण्डिन्, सुबन्धु, नीतिशतक, किरातार्जुनीयम्, मेघदूत।

12. प्रश्न संख्या 5 में विद्यमान गद्यांशों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर दीजिए : 4

Write in Sanskrit answers of the following question on the basis of texts given in Q. No. 5.

(1) जलान्ते कस्य गृहम् आसीत् ?

(2) सः सानन्दं किं आह ?

(3) कूपे कः प्रतिवसति स्म ?

(4) मण्डूकेन दायादानामुच्छेदनाय किं कृतम् ?